**5. प्रकाशक एवम् लेखक के बीच करार**

यह करार इस भाग के ........................ ....................... में इसको रजिस्ट्रीकृत करवा करके लिमिटेड रिलायंस......... ........... ....................... (इसमें इसके पश्चात् 'प्रकाशक' के रूप में निर्दिष्ट किया गया जो पद, जब तक अभिव्यक्त तौर पर संदर्भ को अपवर्जित नहीं कर दिया जाता तब तक इसके उत्तरवर्तियों एवम समनुदेशितियों को सम्मिलित करना समझा जायेगा और दूसरे भाग के श्री ....................... ....................... **निवासी** ...........................................(इसमें इसके पश्चात् लेखक के रूप में निर्दिष्ट किया गया जो पद, जब तक सन्दर्भ को अभिव्यक्त तौर पर अपवर्जित नहीं कर दिया जाता तब तक उसके उत्तरवर्तियों एवम् समनुदेशितियों को सम्मिलित होना समझा जायेगा; के बीच तारीख ....................... ....................... को किया गया। यतः लेखक ने ....................... ....................... की एक अधिकृत पुस्तक को लिखा है और यह लेखक की एक मूल कार्य है।

और यतः प्रकाशक पुस्तक प्ररुप में कथित कार्य का अनन्य रूप से प्रकाशित करने के लिए करार किया है।

**यह निम्नलिखित रूप में पक्षकारों के बीच एतद्द्वारा करार किया जाता है -**

1. यह कि प्रकाशक पुस्तक प्ररुप में ...................... ....................... हकदार पुस्तक को प्रकाशित करेगा जो लेखक का मूल कार्य है और लेखक जो उसकी प्रतिलिप्याधिकार अधिकार का स्वामी है, यहाँ तक उसको प्रकाशित नहीं किया है।
2. यह कि लेखक प्रकाशक की पूर्व लिखित सहमति के बिना कथित कार्य या उसके किसी भाग को प्रकाशित करने के लिए किसी भी अधिकार को न मंजूर करने का वचनबन्ध देता है।
3. यह कि प्रकाशक उसके स्वयं के खर्च एवम जोखिम पर पुस्तक प्ररुप में कथित कार्य को प्रकाशित करने का वचन देता है।
4. यह कि प्रकाशक प्रकाशित मूल्य के ...................... प्रतिशत की दर पर लेखक को किसी स्वामित्व का संदाय करने का वचन बन्ध देता है।
5. यह कि प्रकाशक दैवकृत्य द्वारा विज्ञापन के लिए प्रकाशक द्वारा वितरित की गयी और दैवकृत द्वारा खो गयी। विनष्ट की गयी प्रतिलिपियों पर लेखक की कोई रायलिटी संदाय करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।
6. यह कि प्रकाशक लेखक को संदेय स्वामित्व की रकम के साथ-साथ वार्षिक विक्रय के कारण विवरण देने का वचनबद्ध देता है।
7. यह कि कथित संकर्म के नये संस्करण का प्रकाशन प्रकाशक द्वारा विनिश्चित किया जायेगा और प्रकाशक उस लेखक को एक लिखित नोटिस देगा जो पुस्तक को संशोधित कर सकेगा। मान ले लेखक उसकी मृत्यु के कारण उसकी असमर्थता वश पुस्तक को संशोधित करने में असमर्थ है तो प्रकाशक के पास इसकी पसंद के किसी अन्य लेखक द्वारा संशोधित करवाने की स्वतंत्रता होगी। किन्तु नए संस्करण की पुनःमुद्रण के निबंधन एवं शर्ते करार के अनुसार एक ही रहेगी।
8. यह कि मान लें, लेखक किसी अन्य व्यक्ति के कथित कार्य के लिप्याधिकार का विक्रिय करने के लिए इच्छुक है तो उस दशा में उसके निबन्धन एवम् दशाएं प्रकाशक एवम् लेखक द्वारा पारम्परिक तौर पर विनिश्चित की।

**जिसके साक्ष्य में दोनों पक्षकारों ने ऊपर लिखित दिन .............. ..............महीना.............. .............. वर्ष को इस करार पर हस्ताक्षर किया है।**

साक्षीगण

1. ........ प्रथम पक्षकार

2. .............. द्वितीय पक्षकार